कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन.....

दिनांक .....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जावेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 159/2016

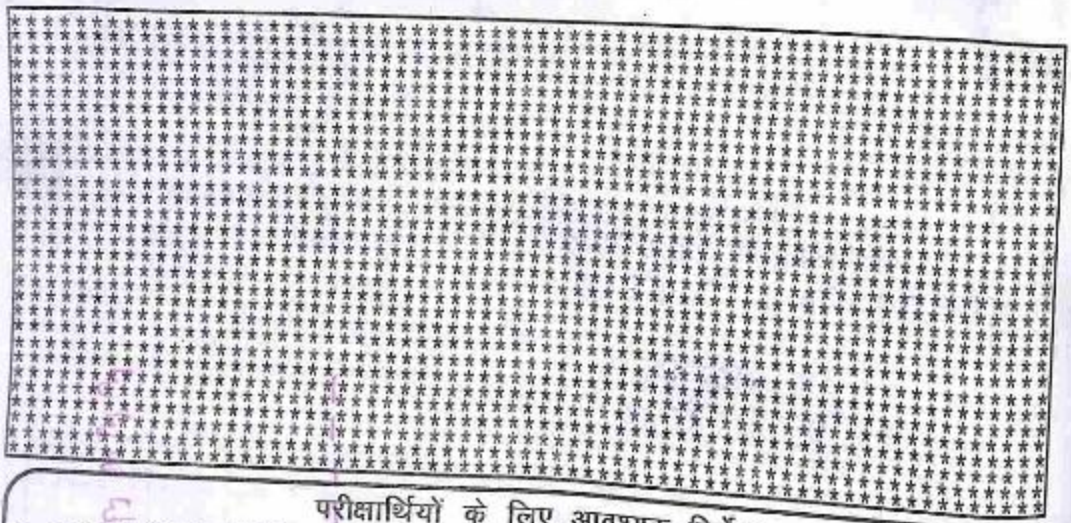

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जावे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | परीक्षार्थी उत्तर

1) "हम बम और पिस्तौल की उपासना नहीं करते बल्कि समाज में क्रान्ति चाहते हैं" यह कथन भगत सिंह का है।

2) लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली में "व्यक्ति की गरिमा" सर्वाधिक सुरक्षित रहती है।

3) प्रति व्यक्ति आय -
कुल राष्ट्रीय आय में देश की जनसंख्या का भाग देने पर प्राप्त आय को प्रति व्यक्ति आय कहते हैं।

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{कुल राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

4) बिस्कुट के उत्पादन में आटा व चीनी मध्यवर्ती वस्तुएं हैं।

5) निवेश :-
किसी कार्य या उपक्रम को प्रदान की गई वित्तीय सहायता को निवेश कहते हैं।

6) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम 1986 का दूसरा नाम "कोपरा" (COPRA) है।

7) पूना पैक्ट सितम्बर 1932 में पूना में महात्मा गांधी व डॉ॰ भीमराव अम्बेडकर के बीच हुआ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(8) सतत पोषणीय विकास :-
वर्तमान विकास प्रक्रिया निरन्तर चलती रहे परन्तु इस से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचे तथा भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न हो, उस विकास प्रक्रिया को सतत पोषणीय विकास कहते हैं।
*सिद्धान्त :-
(i) प्रकृति के सभी रूपों का आदर हो।
(ii) मानवीय जीवन स्तर में सुधार हो।

(9) काली मृदा की विशेषताएँ निम्न है :-
(i) काली मृदा में मृत्तिका का अनुपात ज्यादा होने के कारण जल धारण क्षमता उच्च होती है।
(ii) काली मृदा पोटाश, कैल्सियम मैग्नीशियम आदि पोषकों से युक्त होती है। फास्फोरस की कमी होती है।

(10) संकटग्रस्त वन्य जातियाँ :-
(i) काला हरिण
(ii) भारतीय जंगली गधा
(iii) शेर पूंछ वाला बन्दर

(11) राजस्थान के अर्द्धशुष्क व शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल ग्रहण की विधियां निम्न है :-
(i) टांका निर्माण :-
राजस्थान में छत से

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

वर्षा जल के संग्रहण के लिए लगभग सभी क्षेत्रों में भूमिगत टांके बनाये हुए हैं।

(ii) पारम्परागत विधियाँ :-

कुछ क्षेत्रों में बावड़ी खादिन, पुराने भूमिगत कुओं आदि में वर्षा जल संग्रहण करने की परम्परा है।

(12) चावल, भारत की प्रमुख खाद्य फसल है जिसकी भौगोलिक दशाएं निम्न है :-

(i) तापमान :-

चावल की फसल को पकने के लिए उच्च तापमान (25°C) से अधिक की आवश्यकता है।

(ii) मिट्टी :-

चावल की फसल के लिए डेल्टाई मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है।

(iii) वर्षा :-

चावल की फसल को आरम्भिक 60 से 90 दिनों तक जल में डुबोया रखा जाता है। उच्च वर्षा 100 cm से अधिक की आवश्यकता होती है।

(iv) श्रम :-

कुशल व सस्ते श्रमिक चाहिए।

(13) विनिर्माण उद्योग को औद्योगिक विकास की रीढ़ कहा जाता है। देश की अर्थव्यवस्था में इनका योगदान निम्न है :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(i) विनिर्माण उद्योग मूल्यवान उत्पाद निर्मित करते हैं जिससे राष्ट्रीय आय बढ़ती है।
(ii) देश का औद्योगिक उत्पादन बढ़ता है।
(iii) रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।
(iv) उत्पादों के निर्यात से विदेशी मुद्रा अर्जित होती है।

(14) सड़क परिवहन का महत्व निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट होता है:-
(i) निर्माण लागत कम तथा निर्माण सुविधाजनक रहता है।
(ii) कम व्यक्ति, कम वस्तु तथा कम दूरी के लिए उपयोगी है।
(iii) डोर टू डोर सेवाएं उपलब्ध करता है।
(iv) दुर्गम इलाकों के लोगों को अन्य स्थानों से जोड़ता है।

(15) ब्रेटन वुड्स सम्मेलन :
दो विश्वयुद्धों के मध्य आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करने तथा औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जुलाई 1944 को अमेरिका के न्यू हैम्पशायर स्थित ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर एक वित्तीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में अन्तर्राष्ट्रीय

मुद्रा कोष (IMF) तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण तथा विकास बैंक (विश्व बैंक) की स्थापना की। इस सम्मेलन में विभिन्न देशों की मुद्रा को 'स्थिर विनिमय दर' में बांधा गया।

* अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) व विश्व बैंक को इसकी जुड़वा सन्तान कहते है।

16. ब्रिटिश औद्योगीकरण के कारण भारतीय बुनकरों को निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ा :-

(i) मैनचेस्टर के कपड़े से प्रतिस्पर्धा :- भारतीय बुनकरों को मैनचेस्टर से आयातित कपड़े से बाजार में स्पर्धा करनी पड़ी वे इस स्पर्धा में पिछड़ गये क्योंकि मैनचेस्टर का कपड़ा भारतीय कपड़े की अपेक्षा सस्ता व आकर्षक था।

(ii) कच्चे माल की कमी :- औद्योगिक क्रान्ति के कारण ब्रिटेन में वस्त्र उत्पादन बढ़ने के कारण सूत की मांग बढ़ी। भारत से अधिकांश कपास, मैनचेस्टर व लिवरपूल भेजी जाने लगी। जिससे बुनकरों के पास सूत की कमी हो

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गई। उपलब्ध सूत भी उन्हें मंहगी दर पर बेचा जाता था। इस स्थिति में उत्पादन कर लाभ कमाना सम्भव नहीं था।

NOTE :- ब्रिटिश औद्योगीकरण से बुनकरों का रोजगार छिन गया तथा उनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई।

(18) ब्रिटेन में राष्ट्रवाद का इतिहास शेष यूरोप से भिन्न है क्योंकि अधिकतर यूरोपीय देशों में राष्ट्रवाद अचानक हुई किसी क्रान्ति या उथल-पुथल का परिणाम था जबकि ब्रिटेन के राष्ट्र राज्य बनने की प्रक्रिया क्रमिक व शान्तिपूर्ण थी। यथा -

(i) वहाँ अंग्रेज, वेल्स, स्कॉटिश तथा आयरिश चार प्रमुख जातीय समूह थे जिनकी पहचान नृजातीय थी।

(ii) अंग्रेजों की धन-वैभव तथा गरिमा में वृद्धि हुई उन्होंने 1688 में राजतन्त्र से कुछ शक्तियाँ छिन ली।

(iii) उन्होंने अन्य जातिय समुहों का दमन शुरू कर दिया।

(iv) 1707 में स्कॉटलैण्ड को जबरदस्ती "एक्ट ऑफ यूनियन" के तहत ब्रिटेन में शामिल किया

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(v) 1801 में आयरलैण्ड को भी बलपूर्वक 'युनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन' में शामिल कर लिया गया।
इस प्रकार ब्रिटेन में राष्ट्र राज्य के बनने की प्रक्रिया क्रमिक व अपेक्षाकृत शान्तिपूर्ण थी।

(19) सत्ता की साझेदारी देश की आन्तरिक विविधता के अनुसार की जाती है। आधुनिक समय इसके तीन प्रचलित रूप निम्न है:-

(i) क्षैतिज वितरण:- इस रूप में एक ही स्तर के अंगों जैसे व्यवस्थापिका कार्यपालिका तथा न्यायपालिका में विधायी शक्ति या इस प्रकार बाँटी जाती है कि तीनों अंगों एक दूसरे पर नियन्त्रण व नैतिक अंकुश रखे। सत्ता की साझेदारी के इस रूप को 'नियन्त्रण व सन्तुलन की व्यवस्था' भी कहते हैं।

(ii) ऊर्ध्वाधर वितरण:- सत्ता की साझेदारी के इस रूप में उच्चतर से निम्नतर स्तर के शासन अंगों के बीच शासन सम्बन्धी शक्तियों का वितरण होता है। इसमें प्रत्येक स्तर संविधान में

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

वर्णित अपने कार्य क्षेत्र में रहकर शासन करता है। एक-दूसरे के कार्य क्षेत्र में हस्तक्षेप नहीं करता है। इस रूप को प्राय: संघवाद कहते हैं।

(iii) सामाजिक समूह व राजनीतिक दलों में साझेदारी :

राजनीतिक दलों को चुनाव के द्वारा जनता को सत्ता सौंपने का अवसर मिलता है। आरक्षण व्यवस्था से सत्ता की सामाजिक समूहों में साझेदारी हुई है।

इस प्रकार देश की विविधता के अनुसार सत्ता की साझेदारी होती है।

(20) भारतीय लोकतान्त्रिक व्यवस्था विश्व के सामने लोकतान्त्रिक प्रणाली के शासन का आदर्श रही है। इसे वर्तमान में निम्न समस्याओं से जूझना पड़ रहा है :-

(i) लैंगिक समानता की माँग पूरा करने की चुनौती

राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं की भारत में स्थिति नगण्य है। महिलाएं आरक्षण की माँग कर रही हैं। उन्हें आरक्षण देने की चुनौती है।

वर्तमान में समलैंगिकता (समलैंगिक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

सम्बन्धों) के बारे में भी लोग समानता की माँग कर रहे हैं।

(ii) राजनीति में धर्म का हस्तक्षेप रोकने की चुनौती:- वर्तमान समय में विभिन्न धार्मिक संगठन तथा जातीय समूहों विशेष प्रदर्शन तथा आरक्षण की माँग को लेकर दबाव कर रहे हैं। सरकार को राजनीति व धर्म को पृथक रखने तथा अल्पसंख्यक हितों को समान देने की आवश्यकता है।

(iii) जनता का विश्वास बनाये रखने की चुनौती:- वर्तमान में राजनीति में धनबल, बाहुबल, अपराधीकरण तथा भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति के कारण जनता का विश्वास राजनीतिक दल व राजनेताओं से उठता जा रहा है। जिसके भारतीय लोकतन्त्र को खतरनाक परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं।

(21) आर्थिक विकास के लक्ष्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग होते हैं। उनमें से तीन सामान्य तथा प्रमुख लक्ष्य निम्नानुसार हैं:-

(i) आय का सर्वाधिक होना:- हर व्यक्ति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अपनी आय को बढ़ाना चाहता है। क्योंकि आज के अर्थप्रधान युग में अपर्याप्त आय से आर्थिक विकास सम्भव नहीं है।

(iii) जीवन स्तर में सुधार :-

हर व्यक्ति अपने जीवन स्तर को उच्च व विलासितापूर्ण बनाना चाहता है। आर्थिक विकास का यह सर्वप्रमुख लक्ष्य है क्योंकि व्यक्ति धन का प्रयोग सबसे अधिक अपने जीवन की गुणवत्ता सुधारने में करता है।

(iii) सुरक्षा व सम्मान प्राप्त करना :-

हर व्यक्ति सामाजिक स्तर पर समान व सम्मान का भूखा होता है। व्यक्ति आर्थिक विकास कर अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना चाहता है।

इस प्रकार आर्थिक विकास के लक्ष्य जीवन के स्तर व गुणवत्ता सुधार पर केन्द्रित होते हैं :-

(2) अर्थव्यवस्था के तीनों क्षेत्रक एक दूसरे पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निर्भर रहते हैं। यह कथन

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

निम्नांकित बिन्दुओं से स्पष्ट होता है :-

(i) द्वितीयक क्षेत्रक प्राथमिक क्षेत्रक को विभिन्न उपकरण तथा औजार उत्पादन के लिए उपलब्ध कराता है।

(ii) प्राथमिक क्षेत्रक का उत्पादन द्वितीयक क्षेत्रक के लिए कच्चा माल होता है।

(iii) तृतीयक क्षेत्रक या सेवा क्षेत्रक के लोग (चिकित्सक, शिक्षक आदि) प्राथमिक क्षेत्रक को अपनी सेवाएं देते हैं।

(iv) द्वितीयक क्षेत्रक में निर्मित कच्चे माल को (परिवहन, संचार आदि) माध्यमों से बाजार तक पहुंचाया जाता है।

(v) प्राथमिक व द्वितीयक क्षेत्रक के उत्पादन का उपभोग तृतीयक क्षेत्रक के लोग भी करते हैं।

(23.) भारत में सन 1991 में वैश्वीकरण की दुनिया में प्रवेश किया था। वैश्वीकरण के भारत पर सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव दोनों पड़े। जो निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट होते हैं :-

(i) नवीनतम प्रौद्योगिकी तथा विदेशी निवेश का आगमन :- विश्व के विभिन्न

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

देशों के जुड़ाव से नवीनतम तकनीकी का भारत में आगमन हुआ तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने भारत में निवेश में वृद्धि की है। जिससे देश का औद्योगिक विकास हुआ है।

(ii) रोजगार के अवसरों में वृद्धि :- वैश्वीकरण से भारत में विदेशी कम्पनियों ने अपने कारखाने खोले है जिससे स्थानीय श्रमिक समुदाय को बृहत पैमाने पर रोजगार मिला है तथा उनकी आय में वृद्धि हुई है।

(iii) कुटीर उद्योगों का नष्ट होना :- यह भारत पर वैश्वीकरण का नकारात्मक प्रभाव है। बड़ी कम्पनियों से प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ अनेक कुटीर उद्योग नष्ट हो गये।

भारत में उपभोक्ता को विश्वस्तरीय वस्तुएं तथा कृषि में तकनीकी सुधार आदि लाभ भी हुए है।

(24) बाजार में उपभोक्ता का शोषण विभिन्न तरीकों से हो रहा है।

परीक्षार्थी उत्तर

जिनमें प्रमुख निम्न है :-

(i) अप्रमाणिक वस्तुएं देना :-

हाय : दुकानदार अपने उपभोक्ता को निम्न गुणवत्ता तथा अप्रमाणिक वस्तु बेचते है जिससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

(ii) कम तौलना व अधिक मूल्य लेना :-

दुकानदार वस्तु को कम तौलते है तथा कम वस्तु का भी उपभोक्ता से अधिक मूल्य लेते है।

(iii) बिल न देना :-

दुकानदार अपने ग्राहकों को ली गई वस्तु का बिल नहीं देता है जिससे उपभोक्ता को अदालत में मुकदमा दायर करने में कठिनाई होती है।

(25) मुद्रण संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के लिए अनुकूल स्थितियां उत्पन्न की इसका प्रमाण निम्न बिन्दुओं से मिलता है :-

(i) राष्ट्रवादी विचारों का प्रसार :-

मुद्रण संस्कृति के कारण विभिन्न राष्ट्रवादी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अपने विचारों को जनसाधारण तक आसानी से पहुंचाने लगे। उदाहरण के लिए 1822 में राजा राममोहन राय ने संवाद कौमुदी का प्रसार व प्रकाशन किया।

(ii) अंग्रेजों के अत्याचारों की जानकारी :- अंग्रेज सरकार के दुष्कृत्य व अत्याचार राष्ट्रवादी नेता अपनी पत्र-पत्रिकाओं में छापने लगे। जिसे पढ़कर जनता में अंग्रेजों के प्रति आक्रोश बढ़ा व स्वतन्त्रता की ललक जगी।

(iii) राष्ट्रवादियों में समन्वय का माध्यम :- मुद्रण क्रान्ति ने राष्ट्रवादी नेताओं को समन्वय का एक सशक्त माध्यम उपलब्ध कराया। जिससे वे क्रान्ति के विचारों को जनता के साथ साझा करने लगे।

(iv) वाद-विवाद की संस्कृति का उदय :- मुद्रण क्रान्ति से भारतीय लोगों ने गलत धारणाओं तथा स्वतन्त्रता की व्याख्या के वाद-विवाद को बढ़ावा दिया।

30
(क)

नामांक Roll No.

S–08–Social Scier

माध्यमिक परीक्षा, 2016

SECONDARY EXAMINATION, 2016

SOCIAL SCIENCE

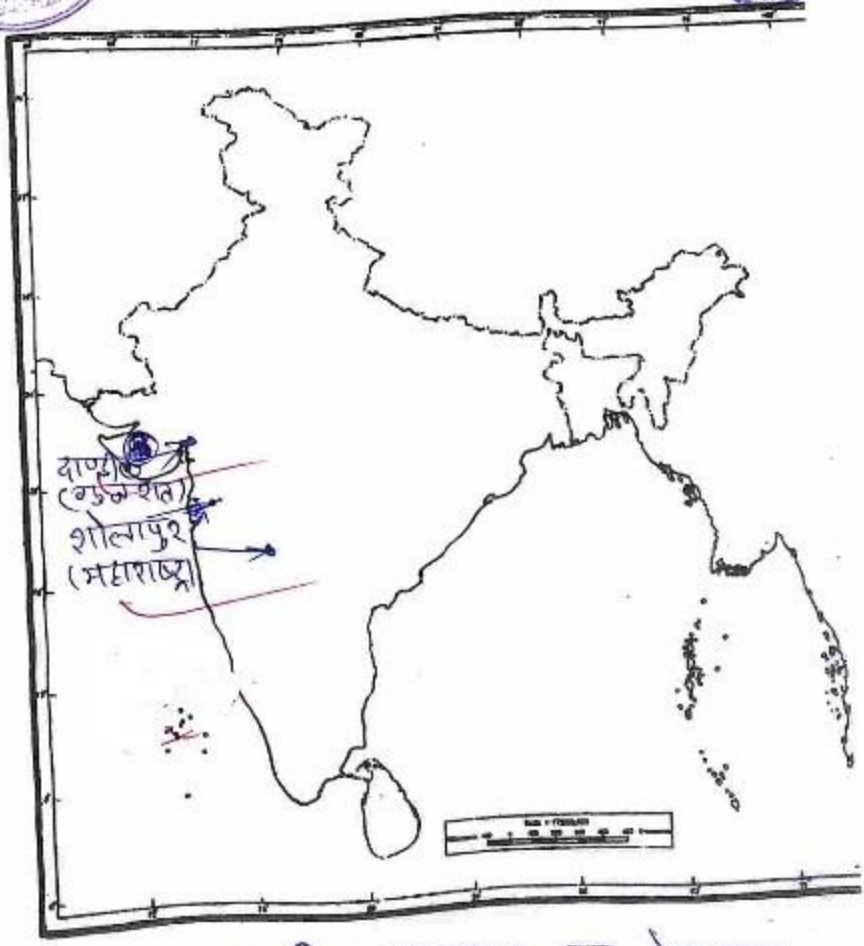

V-1004

दाणी - गुजरात का रेखाचित्र
शोलापुर - महाराष्ट्र

नामांक Roll No.

S–08–Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2016

SECONDARY EXAMINATION, 2016

SOCIAL SCIENCE

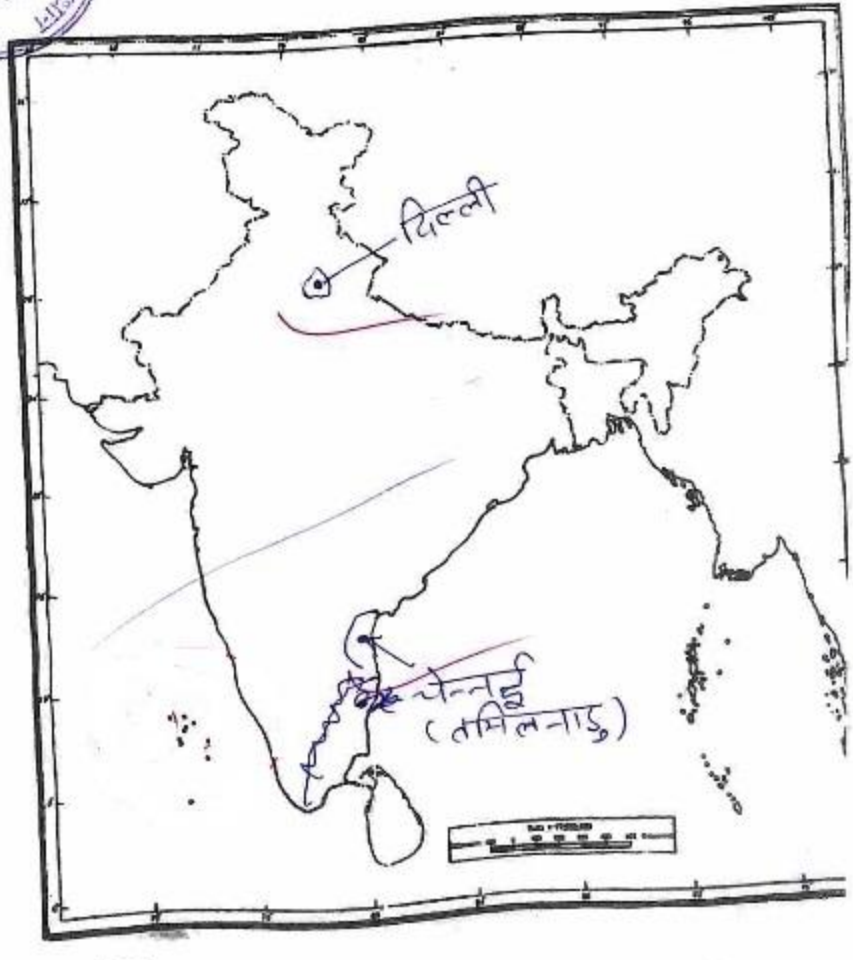

V-1004

(26) परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत :- वे ऊर्जा स्त्रोत जिनका उपयोग मानव प्राचीन काल से अर्थात् परम्परा से करता आ रहा है, परम्परागत संसाधन कहलाते है।
उदाहरण :- कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, जल विद्युत।

* पेट्रोलियम

पेट्रोलियम एक अत्यन्त आवश्यक ऊर्जा स्त्रोत है। पेट्रोलियम अनेक पदार्थो का मिश्रण होता है। पेट्रोलियम की शोधन शालाएं विभिन्न उद्योगों जैसे उर्वरक, रसायन आदि के संचालन का नोडीप बिन्दु होती है।

उपयोगिता :- पेट्रोलियम के द्वारक पेट्रोल व डीजल वाहनों के प्रमुख ईंधन है। स्नेहक मशीनी पुर्जो की रक्षा करता है। अन्य द्वारक विभिन्न उद्योगो जैसे - उर्वरक, रसायन आदि का कच्चा माल बनते है।

उपलब्धता :- भारत में कुल पेट्रोलियम

के 60% का उत्पादन बम्बई हाई 18% का अंकलेश्वर (गुजरात) तथा 16% का डिग्बोई, हुगरीजन (असम) में होता है। नवीन उत्पादकों में राजस्थान का बाड़मेर - जैसलमेर क्षेत्र सम्मिलित है।

(24) भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। इस कथन की व्याख्या निम्न बिन्दुओं से होती है :-

(i) राज्य का कोई धर्म नहीं :- संविधान के अनुसार कोई भी धर्म राजनैतिक धर्म नहीं है। सरकार किसी भी धर्म को बढ़ावा तथा संरक्षण विशेष रूप में नहीं देगी।

(ii) धार्मिक स्वतन्त्रता :- भारत के नागरिक किसी भी धर्म को अपनाने के लिए स्वतन्त्र है। वह अपने धर्म का प्रचार-प्रसार करने के लिए भी स्वतन्त्र है।

(iii) संघ को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप की इजाजत :- सरकार को

संविधान सम्मत मुद्दा अधिकारों के तहत धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार है।
उदाहरण :- छुआ छूत को समाप्त करने में।

(ii) धार्मिक अवकाश :-
अधिकांश धर्मों के प्रमुख पर्वों पर सम्पूर्ण देश में अवकाश की व्यवस्था है।

(28) भारत में राजनीतिक दलों में सुधार के लिए निम्न प्रयास किये गये :-

(i) दल-बदल रोक विधेयक :-
संसद ने चुनाव विजय के पश्चात मन्त्री पद तथा अन्य लोभों में पड़कर विधायक व सांसदों की दल बदलने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए यह विधेयक पारित किया इसमें दल बदलने पर सदस्य की सदस्यता रद्द करने का प्रावधान है।

(ii) उम्मीदवार द्वारा शपथ-पत्र देना :-
संघ के किसी पद का उम्मीदवार अपने चुनावी प्रपत्र के साथ अपने धन, सम्पत्ति तथा लम्बित मुकदमों का एक शपथ-पत्र अवश्य प्रस्तुत करता है। यह अनिवार्य है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iii) सांगठनिक चुनाव :-
दलों में आन्तरिक लोकतन्त्र को सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने उन्हें नियमित सांगठनिक चुनाव कराने का आदेश दिया।

(iv) महिला भागीदारी को बढ़ाना :-
राजनीति में महिलाओं की भागीदारी दलों व को बढ़ाने के लिए सरकार ने अनेक प्रयास किये हैं।

(29) वस्तु विनिमय तथा मौद्रिक विनिमय प्रणाली में मौद्रिक विनिमय प्रणाली श्रेष्ठ है। जिसके निम्नलिखित कारण हैं :-

(i) विनिमय दर का निर्धारण :-
मौद्रिक विनिमय प्रणाली में प्रत्येक वस्तु का मूल्य निर्धारित होता है। यह वस्तु विनिमय प्रणाली में जटिल है।

(ii) दोहरे संयोग न होना :-
वस्तु विनिमय प्रणाली आवश्यकता के दोहरे संयोग पर निर्भर रहती है। परन्तु मुद्रा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

विनिमय में वस्तु का मूल्य मुद्रा में चुकाकर उसका उपभोग कर सकते हैं।

(iii) बचत करने की प्रवृत्ति का विकास :-
मुद्रा के विनिमय माध्यम होने से लोगों में बचत करने की प्रक्रिया का विकास हुआ है।

इस प्रकार विभिन्न सोपानों पर मुद्रा विनिमय श्रेष्ठ है।

(31) (क) लोकतान्त्रिक शासन अन्य शासन प्रणालियों से श्रेष्ठ है। इसके निम्न कारण हैं :-

(i) समानता की पोषक प्रणाली :-
लोकतन्त्र में नागरिकों के साथ जाति-पन्थ, रंग रूप आदि के आधार पर भेदभाव नहीं होते हैं।

(ii) स्वतन्त्रता की गारण्टी :-
लोकतन्त्र अपने नागरिकों को संविधान सम्मत हर तरह की स्वतन्त्रता की गारण्टी देता है।

(iii) शासक चुनने का अधिकार :-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

लोकतन्त्र अपने नागरिकों को अपने शासक स्वयं वयस्क मताधिकार द्वारा चुनने का अधिकार देता है।

(iv) व्यक्ति की गरिमा :-

लोकतन्त्र में नागरिकों की गरिमा का पूरा ध्यान रखा जाता है। उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

(ख)

(i) सार्वजनिक यातायात का महत्व :-

*. सार्वजनिक यातायात से वाहनों से होने वाला प्रदूषण घटता है।
*. ईंधनों की बचत होती है।
*. वाहनों की कम संख्या के कारण यातायात नियन्त्रण में आसानी होती है।

(ii) रैम्प के उपयोग निम्न है :-

*. निशक्तजनों व विकलांगों की यात्रा के दौरान सहायता करता है।
*. विकलांग सुरक्षित यात्रा कर पाते है।
*. निशक्तों को अन्य पर आश्रित नहीं रहना पड़ता है।

परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या

(iii) लोकतान्त्रिक शासन में व्यक्ति को 'जीने का अधिकार' प्राप्त है। सड़क दुर्घटना से व्यक्ति के 'जीने के अधिकार' का उल्लंघन होता है। क्योंकि इसमें उसकी जान भी जा सकती है।

'समाप्त'